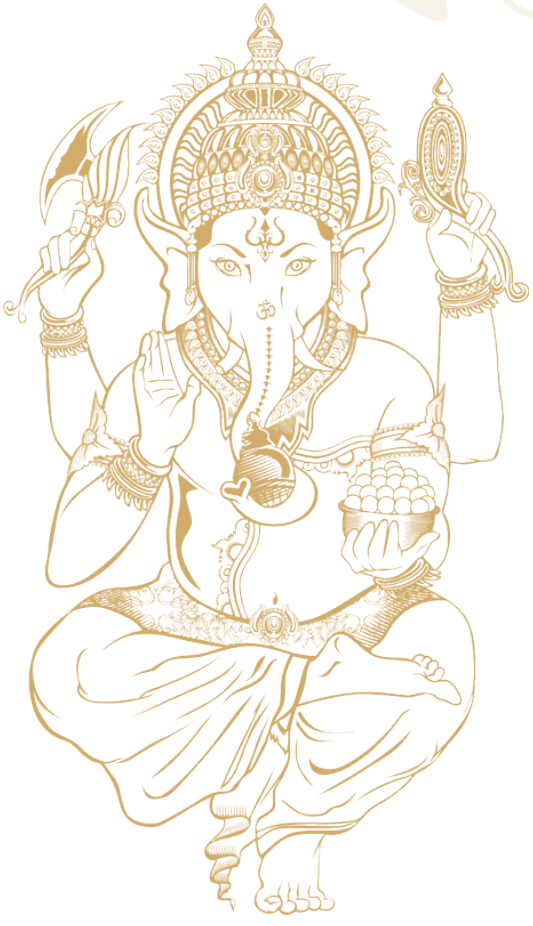

Deepak Jind Vch

24 May 2002

06:55 AM

Charkhi Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121760704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:55:00 घंटे**
इष्ट	03:32:03 घटी
स्थान	**Charkhi Dadri**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:37:00 उत्तर
रेखांश	76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:30:04 घंटे
वेलान्तर	00:03:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:36:00 घंटे
सूर्योदय	05:30:10 घंटे
सूर्यास्त	19:13:37 घंटे
दिनमान	13:43:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	08:50:08 वृष
लग्न के अंश	29:16:54 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:16:54	342:33:43	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृष	08:50:08	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	05:58:51	14:37:03	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			मिथु	03:11:33	00:39:39	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	13:43:05	00:30:36	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	21:07:30	00:11:33	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	10:18:15	01:11:45	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृष	22:26:55	00:07:39	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:59:45	00:01:55	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:59:45	00:01:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:54:34	00:00:29	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	17:03:56	00:00:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:45:54	00:01:33	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	13:24:08	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:08

लग्न-चलित

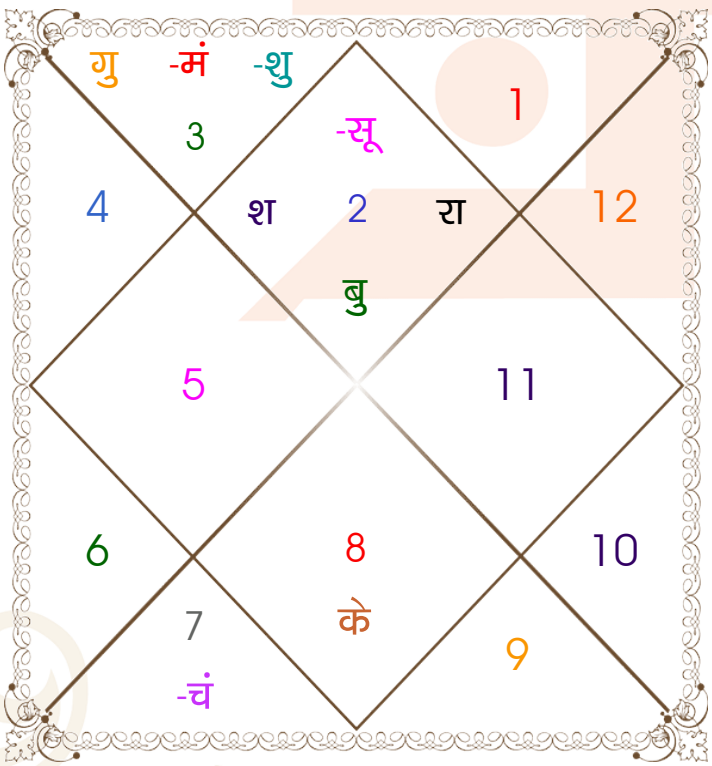

चन्द्र कुंडली

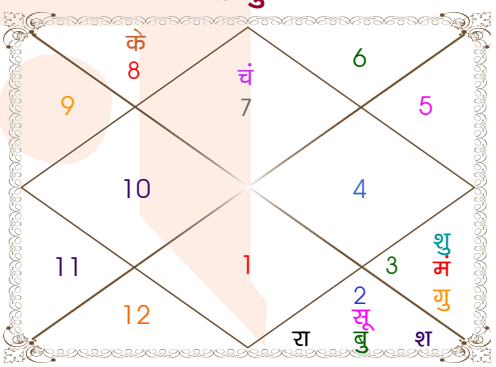

नवमांश कुंडली

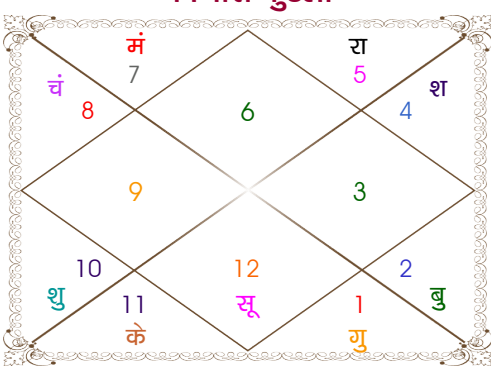

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 4 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/05/2002		02/10/2002		02/10/2020		02/10/2036		03/10/2055	
02/10/2002		02/10/2020		02/10/2036		03/10/2055		02/10/2072	
	00/00/0000	राहु	14/06/2005	गुरु	20/11/2022	शनि	06/10/2039	बुध	28/02/2058
	00/00/0000	गुरु	08/11/2007	शनि	02/06/2025	बुध	15/06/2042	केतु	25/02/2059
	00/00/0000	शनि	14/09/2010	बुध	08/09/2027	केतु	25/07/2043	शुक्र	26/12/2061
	00/00/0000	बुध	02/04/2013	केतु	14/08/2028	शुक्र	23/09/2046	सूर्य	02/11/2062
	00/00/0000	केतु	21/04/2014	शुक्र	15/04/2031	सूर्य	05/09/2047	चंद्र	02/04/2064
	00/00/0000	शुक्र	21/04/2017	सूर्य	01/02/2032	चंद्र	05/04/2049	मंगल	30/03/2065
	00/00/0000	सूर्य	15/03/2018	चंद्र	02/06/2033	मंगल	15/05/2050	राहु	18/10/2067
	24/05/2002	चंद्र	14/09/2019	मंगल	09/05/2034	राहु	21/03/2053	गुरु	23/01/2070
चंद्र	02/10/2002	मंगल	02/10/2020	राहु	02/10/2036	गुरु	03/10/2055	शनि	02/10/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/10/2072		03/10/2079		03/10/2099		03/10/2105		04/10/2115	
03/10/2079		03/10/2099		03/10/2105		04/10/2115		25/05/2122	
केतु	28/02/2073	शुक्र	01/02/2083	सूर्य	20/01/2100	चंद्र	03/08/2106	मंगल	01/03/2116
शुक्र	30/04/2074	सूर्य	01/02/2084	चंद्र	22/07/2100	मंगल	04/03/2107	राहु	19/03/2117
सूर्य	05/09/2074	चंद्र	02/10/2085	मंगल	27/11/2100	राहु	02/09/2108	गुरु	23/02/2118
चंद्र	06/04/2075	मंगल	02/12/2086	राहु	21/10/2101	गुरु	02/01/2110	शनि	04/04/2119
मंगल	02/09/2075	राहु	02/12/2089	गुरु	10/08/2102	शनि	04/08/2111	बुध	31/03/2120
राहु	20/09/2076	गुरु	02/08/2092	शनि	23/07/2103	बुध	02/01/2113	केतु	27/08/2120
गुरु	27/08/2077	शनि	03/10/2095	बुध	28/05/2104	केतु	03/08/2113	शुक्र	27/10/2121
शनि	05/10/2078	बुध	02/08/2098	केतु	03/10/2104	शुक्र	04/04/2115	सूर्य	04/03/2122
बुध	03/10/2079	केतु	03/10/2099	शुक्र	03/10/2105	सूर्य	04/10/2115	चंद्र	25/05/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 4 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।